अकेली' में नुसरत का दमदार अभिनय

ज्योति की सबसे बड़ी ताकत उसका साहस है. असाधारण परिस्थितियों में भी वह हार नहीं मानती. नुसरत ने इस जज्बे को संवेदनशीलता और प्रभाव के साथ पर्दे पर उतारा. 'अकेली' ने नुसरत भरुचा को एक चुनौतीपूर्ण भूमिका में पेश किया.

नुसरत भरुचा अभिनीत फिल्म 'अकेली' की रिलीज को तीन साल पूरे हो गए हैं. फिल्म में नुसरत ने ज्योति का किरदार निभाया था, जो बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में फंसने के बाद अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करती है. नुसरत के प्रभावशाली अभिनय ने ज्योति के डर, बेबसी, हिम्मत और जज्बे को पर्दे पर जीवंत किया और यह भूमिका उनके करियर के यादगार किरदारों में शामिल हो गई.

फिल्म की तीसरी वर्षगांठ पर ज्योति के किरदार से जुड़े पांच ऐसे प्रमुख पहलू चर्चा में हैं, जिन्होंने उसे यादगार बनाया. ज्योति एक साधारण लड़की है, लेकिन अचानक खुद को बेहद खतरनाक परिस्थितियों के बीच पाती है. उसके चेहरे पर डर, असमंजस और बेबसी दर्शकों को उसके संघर्ष से जोड़ते हैं. परिस्थितियां लगातार खराब होने के बावजूद ज्योति टूटने से इनकार करती है. उम्मीद बनाए रखने और खुद को मजबूत रखने की उसकी कोशिशें उसके व्यक्तित्व के दूसरे पहलू को सामने लाती हैं. फिल्म के तनावपूर्ण दृश्यों में नुसरत ने संवादों के बजाय अपने चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज के जरिए ज्योति की घबराहट और बेचैनी को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया. कहानी आगे बढ़ने के साथ ज्योति का संघर्ष और तीखा होता जाता है. उसके लिए जिंदा रहना सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाता है और इसी दौरान उसका जुझारू रूप सामने आता है.

नवाजुद्दीन का नया अंदाज, समय रैना के शो में लगाएंगे तड़का

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही लोकप्रिय शो 'इंडियाज़ गॉट लेटेंट' में नजर आ सकते हैं. नवाजुद्दीन ने हाल ही में समय रैना और भुवन बाम के साथ शो के एक एपिसोड के लिए शूटिंग की है. बताया जा रहा है कि यह एपिसोड जल्द ही दर्शकों के सामने आ सकता है.सूत्रों के अनुसार, नवाजुद्दीन ने समय रैना और भुवन बाम के साथ 'इंडियाज़ गॉट लेटेंट' के एक एपिसोड के लिए शूट किया है. शो में उनकी मौजूदगी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ गई है.

नवाजुद्दीन के करियर की बात करें तो वह इन दिनों फिल्मों के साथ थिएटर और अपने बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहे हैं. उनका स्टेज प्ले 'नकाब' हाल ही में अमेरिका में सफल रहा, जिससे थिएटर के साथ उनका पुराना जुड़ाव और मजबूत हुआ है. इसके अलावा नवाजुद्दीन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तुम्बाड 2' को लेकर भी चर्चा में हैं. वह हाल ही में फिल्म के अगले शेड्यूल की शूटिंग के लिए सतारा पहुंचे थे. पहली फिल्म की कल्ट लोकप्रियता के बाद 'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है.

अल्लू अर्जुन के फैंस चलायेंगे एचपीवी जागरूकता अभियान

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के फैंस ने सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में पहल करते हुए सात राज्यों में ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा की है.अल्लू अर्जुन फैंस एसोसिएशन के एक प्रवक्ता के अनुसार, अभियान का दूसरा चरण आठ और नौ सितंबर को आयोजित किया जाएगा. इस दौरान सर्वाइकल कैंसर से बचाव और एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा.

प्रवक्ता ने कहा कि अभियान के तहत वर्कशॉप, स्कूल सेशन और कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. सात राज्यों में एक हजार से अधिक जमीनी स्तर के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है, जिसमें मौजूदा चरण में करीब 400 कार्यक्रम होंगे. अभियान के माध्यम से करीब एक लाख लड़कियों तक पहुंचने और उनके परिवारों को कम उम्र में एचपीवी वैक्सीनेशन तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के बारे में जानकारी देने का लक्ष्य रखा गया है.

एसोसिएशन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य एचपीवी वैक्सीनेशन को लेकर सही जानकारी उपलब्ध कराना तथा सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है. फैन क्लबों के सदस्य अपनी सामूहिक पहुंच का इस्तेमाल सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कर रहे हैं. अल्लू अर्जुन ने हाल ही में निर्देशक एटली के साथ अपनी आगामी फिल्म 'राका' की घोषणा की है. फिल्म का पोस्टर जारी होने के बाद से ही उनके नए अवतार को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है. इसके अलावा वह लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनने वाली 'एए23' में भी नजर आएंगे.

टेलीविजन हलचल

अनुपमा ने जीता कुकिंग राउंड, गौतम ने खोला स्वाद का राज

कुकिंग प्रतियोगिता में अनुपमा और प्रेम के बीच मुकाबला लगातार रोमांचक होता जा रहा है. प्रतियोगिता के हर चरण में अनुपमा को नई चुनौती मिल रही है, लेकिन वह अपने अनुभव और आत्मविश्वास के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है. इस बार चुनौती पहले से कहीं ज्यादा कठिन है, क्योंकि अनुपमा अपने स्वाद की क्षमता खो चुकी है. एक शेफ के लिए यह स्थिति किसी बड़े झटके से कम नहीं है, लेकिन अनुपमा परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने के बजाय अपने दूसरे अनुभवों पर भरोसा करती है. मौजूदा राउंड में अनुपमा और प्रेम दोनों अपने-अपने व्यंजन तैयार करना शुरू करते हैं. अनुपमा को पता है कि वह खाने का स्वाद चखकर उसकी कमी-बेशी नहीं समझ सकतीं. इसलिए वह अपने अनुभव और सूंघने की क्षमता का इस्तेमाल करके डिश को सही बनाने की कोशिश करती हैं. लेकिन प्रतियोगिता के दौरान उनके सामने सबसे पेचीदा चुनौती तब आती है, जब उन्हें नमक और चीनी दोनों एक जैसे बारीक पाउडर के रूप में दिए जाते हैं.

तापसी-कनिका का दिखेगा रिवेंज अंदाज

तापसी पन्नू और कनिका ढिल्लों की रचनात्मक साझेदारी अब हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बना चुकी है। दोनों की पहली साथ में आई फिल्म 'मनमर्जियां' थी, जिसमें तापसी ने रूमी का किरदार निभाकर अपनी बेबाक और स्वतंत्र सोच वाली छवि को पर्दे पर मजबूती से पेश किया। इसके बाद 'हसीन दिलरुबा' में दोनों ने रिश्तों, रहस्य और अपराध से जुड़ी कहानी के जरिए एक अलग तरह का पल्प-थ्रिलर पेश किया। 2021 में ही आई 'रश्मि रॉकेट' ने इस साझेदारी को सामाजिक मुद्दों से जोड़ा और लैंगिक भेदभाव तथा खेलों में जेंडर टेस्टिंग जैसे गंभीर विषयों को सामने रखा.

इसके बाद यह जोड़ी राजकुमार हिरानी की 'डंकी' में साथ नजर आई, जिसकी कहानी इमिग्रेशन और बेहतर जिंदगी की तलाश से जुड़े संघर्षों के इर्द-गिर्द घूमती थी. 2024 में 'फिर आई हसीन दिलरुबा' के जरिए दोनों ने अपनी चर्चित थ्रिलर फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाया. अब उनकी छठी साझेदारी 'गांधारी' है, जिसमें जॉनर पूरी तरह बदल गया है. 'गांधारी' में तापसी एक मां के किरदार में दिखाई देंगी, जो अपने बच्चे के लिए न्याय और बदले की लड़ाई लड़ती है.

कनिका ढिल्लों के मुताबिक यह एक गहन और भावनात्मक महिला-केंद्रित एक्शन थ्रिलर है. उन्होंने कहा कि तापसी ने फिल्म के हर फ्रेम में पूरी ऊर्जा और भावनाएं झोंक दी हैं.

मिर्जापुर : द मूवी' का नया पोस्टर जारी

भारतीय स्ट्रीमिंग की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी क्राइम फ्रेंचाइजी 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर भौकाल मचाने के लिए तैयार है. अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत 'मिर्जापुर: द मूवी' की रिलीज में अब महज 10 दिन बाकी हैं. इसी मौके पर मेकर्स ने फिल्म का नया दमदार पोस्टर जारी करते हुए फाइनल काउंटडाउन शुरू कर दिया है.

गुरमीत सिंह के निर्देशन और पुनीत कृष्णा के लेखन में बनी यह फिल्म चार सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.नए पोस्टर में पंकज त्रिपाठी के कलीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित और दिव्येंदु के मुन्ना भैया समेत कई प्रमुख किरदारों की झलक दिखाई गई है. पोस्टर फिल्म में हाई-स्टेक्स एक्शन, जबरदस्त ड्रामा और बड़े पर्दे के भव्य सिनेमाई अनुभव का संकेत देता है.रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर निर्मित इस फिल्म के सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

धरती के सबसे करीब मिला दूसरा घर

वैज्ञानिकों को मिली बड़ी उम्मीद

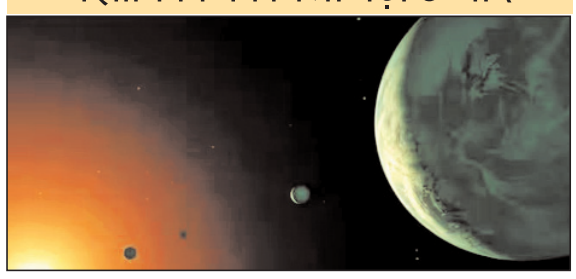

धरती के बाहर जीवन की खोज लंबे समय से वैज्ञानिकों के सबसे बड़े सवालों में शामिल रही है और अब इस तलाश को एक नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण खोज सामने आई है. खगोलविदों ने सौर मंडल से करीब 25 प्रकाश-वर्ष दूर एक नए ग्रह की पहचान की है, जिसका नाम जीजे 3378बी रखा गया है. शुरुआती अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिकों का मानना है कि यह ग्रह चट्टानी हो सकता है और अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र में स्थित है. यानी यहां परिस्थितियां ऐसी हो सकती हैं, जिनमें ग्रह की सतह पर तरल पानी के अस्तित्व की संभावना बनी रहे.

जीजे 3378बी का न्यूनतम द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान से दोगुने से थोड़ा अधिक बताया गया है. इसकी एक और खासियत यह है कि इसे अपने तारे से लगभग उतनी ही मात्रा में प्रकाश और ऊर्जा मिलती है, जितनी पृथ्वी को सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा मिलता है. यह समानता वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी ग्रह पर जीवन की संभावनाओं का आकलन करते समय वहां का तापमान, ऊर्जा और पानी की मौजूदगी अहम मानी जाती है.

द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक, सूर्य के आसपास रहने योग्य ग्रहों की मौजूदगी पहले लगाए गए अनुमानों से कहीं अधिक आम हो सकती है. 25 प्रकाश-वर्ष की दूरी भले ही इंसानी पैमाने पर बहुत ज्यादा हो, लेकिन ब्रह्मांडीय दूरी के लिहाज से जीजे 3378बी हमारे अपेक्षाकृत नजदीकी तारकीय पड़ोस में मौजूद है.

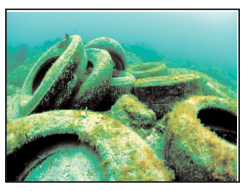

अमेरिका की समुद्री 'तरकीब' बनी मुसीबत

20 लाख टायर हटाना मुश्किल

करीब छह दशक पहले अमेरिका ने समुद्र में मछलियों और दूसरे समुद्री जीवों के लिए एक नया आशियाना बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन यह प्रयोग बाद में पर्यावरण के लिए बड़ी परेशानी बन गया. वर्ष 1970 के आसपास फ्लोरिडा के तट के पास समुद्र में करीब 20 लाख पुराने टायर डालकर कृत्रिम रीफ बनाने की कोशिश की गई थी. उस समय उम्मीद थी कि समुद्र की तलहटी में पड़े ये टायर समुद्री जीवों को रहने और प्रजनन करने के लिए जगह देंगे. इससे मछलियों की संख्या बढ़ेगी और मछली पकड़ने वाले लोगों को भी फायदा मिलेगा. शुरुआत में यह विचार उपयोगी और पर्यावरण के अनुकूल दिखाई दिया, लेकिन समय बीतने के साथ इसकी गंभीर खामियां सामने आने लगीं.

प्राकृतिक चट्टानी रीफ के विपरीत टायर समुद्र में टिक नहीं पाए. समुद्री धाराओं और तूफानों के कारण बड़ी संख्या में टायर अपनी जगह से खिसकने लगे और आसपास के प्राकृतिक रीफ तक पहुंच गए. इससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचने लगा. टायरों से निकलने वाले रसायनों और उनके टूटने से पैदा होने वाले छोटे कणों को लेकर भी पर्यावरण विशेषज्ञों ने चिंता जताई. जिस परियोजना का उद्देश्य समुद्री जीवन को बढ़ावा देना था, वही धीरे-धीरे समुद्री पर्यावरण के लिए खतरा बन गई.

बच्चों के लिए आया नया चेटजीपीटी

मान लीजिए किसी बच्चे को गणित का सवाल समझ नहीं आ रहा है और वह चैटजीपीटी से उसका उत्तर पूछता है. किशोरों के लिए तैयार किए गए नए अनुभव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का मकसद केवल अंतिम उत्तर बताना नहीं होगा. अध्ययन विधि बच्चे से पहले यह समझने की कोशिश कर सकती है कि वह कहां अटका है, फिर सवाल को छोटे-छोटे चरणों में बांटकर आगे बढ़ने में मदद करेगी. जरूरत पड़ने पर उससे बीच-बीच में सवाल भी पूछे जाएंगे, ताकि वह खुद सोचकर अगला चरण तय कर सके. इस तरह बच्चे को सिर्फ उत्तर याद करने के बजाय उसके पीछे की प्रक्रिया समझने का मौका मिलेगा.

किशोरों के लिए तैयार किए गए अनुभव में अध्ययन विधि के साथ प्रश्नोत्तरी और सीखने के दृश्य साधन भी शामिल हैं. इन सुविधाओं की मदद से विद्यार्थी किसी विषय का अभ्यास कर सकते हैं, अपनी जानकारी जांच सकते हैं और मुश्किल अवधारणाओं को चित्रों या दूसरे दृश्य तरीकों से बेहतर ढंग से समझ सकते हैं.

गैलेक्सी एस27 अल्ट्रा का बदलेगा कैमरा लुक

सैमसंग के गैलेक्सी एस27 अल्ट्रा को लेकर सामने आए नए सीएडी प्रारूपों ने स्मार्टफोन बाजार में हलचल बढ़ा दी है. प्रसिद्ध जानकारी लीक करने वाले ओनलीक्स की ओर से सामने आए प्रारूपों में फोन का पिछला हिस्सा मौजूदा गैलेक्सी अल्ट्रा मॉडल से काफी अलग नजर आता है. सबसे बड़ा बदलाव कैमरा व्यवस्था में दिखाई देता है. सैमसंग के पिछले कई अल्ट्रा फोन में कैमरे पीछे की ओर अलग-अलग गोलाकार लेंस के रूप में लगे रहे हैं, लेकिन नए प्रारूप में इन्हें एक बड़े

आयताकार कैमरा पट्टे के भीतर रखने की तैयारी दिखाई दे रही है.

नए डिजाइन में कैमरे बाईं तरफ दिखाई देते हैं. दो बड़े गोलाकार लेंस के साथ एक तीसरा कैमरा लंबेनुमा हिस्से में नजर आता है. इसी हिस्से में प्रकाश संकेतक और कुछ अन्य सेंसर दिए जाने की संभावना है. यह बदलाव गैलेक्सी अल्ट्रा श्रृंखला के पुराने डिजाइन से काफी अलग है और इसकी तुलना एप्पल के आईफोन प्रो मॉडल से भी की जा रही है. हालांकि, अभी यह केवल लीक हुए प्रारूपों पर आधारित जानकारी है और अंतिम उत्पाद का डिजाइन अलग हो सकता है. कैमरा व्यवस्था में बदलाव के साथ फोन के कैमरा विन्यास में भी बड़ा परिवर्तन होने की खबर है.

यंग इंडिया

एमबीबीएस-बीडीएस इंटर्न को मिलेंगे 25 हजार रुपये महीना

उत्तर प्रदेश सरकार ने मेडिकल छात्रों को बड़ी राहत देते हुए एमबीबीएस और बीडीएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद रोटेटिंग इंटर्नशिप कर रहे छात्रों का मासिक भत्ता दोगुने से भी अधिक कर दिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. फैसले के बाद अब प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सा विश्वविद्यालयों में रोटेटिंग इंटर्नशिप करने वाले एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न को हर महीने 25 हजार रुपये भत्ता दिया जाएगा. इससे पहले उन्हें सिर्फ 12 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते थे.

प्रदेश में एमबीबीएस और बीडीएस परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए रोटेटिंग इंटर्नशिप अनिवार्य है. प्रशिक्षण के इस चरण में इंटर्न केवल कागजी प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और उपचार व्यवस्था में चिकित्सकों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उन्हें वार्ड, बाह्य रोगी विभाग, आपातकालीन सेवाओं और रात्रिकालीन ड्यूटी में भी जिम्मेदारियां निभानी होती हैं. ऐसे में लंबे समय से इंटर्नशिप भत्ता बढ़ाने की मांग की जा रही थी. प्रदेश के सरकारी चिकित्सा संस्थानों में प्रशिक्षण ले रहे इंटर्न को हर महीने 13 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे.

25 लाख युवाओं को मिलेंगे निशुल्क टैबलेट

कैबिनेट बैठक में युवाओं से जुड़ा एक और बड़ा फैसला लिया गया. स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है. सरकार ने निविदा प्रक्रिया में चयनित संस्थाओं को खरीद आदेश जारी करने का निर्णय लिया है. ये टैबलेट पात्र युवाओं को निशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे. टैबलेट खरीद के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 2,374.60 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है. सरकार का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना और उनकी पढ़ाई तथा कौशल विकास में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना है.

यूजीसी नेट 2026 का रिजल्ट इस हफ्ते, ऐसे चेक करें स्कोरकार्ड

यूजीसी नेट 2026 के परिणाम को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने अभ्यर्थियों के इंतजार को खत्म करने वाला बड़ा अपडेट दिया है. एजेंसी के अनुसार, यूजीसी नेट के 84 विषयों की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे. परीक्षा में शामिल उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट यूजीसीनेट.एनटीए.एनआईसी.इन पर जाकर अपना परिणाम देख सकेंगे और अंतिम उत्तर कुंजी भी डाउनलोड कर सकेंगे. परिणाम जारी होने के बाद अभ्यर्थी अपने प्राप्त अंक, पात्रता और परीक्षा से संबंधित जरूरी जानकारी की जांच कर सकेंगे. यूजीसी नेट के साथ वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की स्नातकोत्तर और पीएचडी प्रवेश परीक्षाओं की अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम भी इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे. इससे इन परीक्षाओं में शामिल उम्मीदवारों को भी अपने परिणाम का इंतजार ज्यादा लंबा नहीं करना पड़ेगा.

22 से 30 जून तक हुई थी परीक्षा

यूजीसी नेट 2026 परीक्षा का आयोजन 22 जून से 30 जून 2026 के बीच किया गया था. परीक्षा कुल 87 विषयों के लिए आयोजित की गई थी. इसका उद्देश्य जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्राध्यापक पद के लिए पात्रता और पीएचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों की पात्रता निर्धारित करना है. परीक्षा के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 16 अगस्त को 84 विषयों की उत्तर कुंजी जारी की थी. अभ्यर्थियों को उत्तर कुंजी पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया गया था और यह प्रक्रिया 18 अगस्त को समाप्त हो गई.

यूपी में 2.76 लाख छात्रों की खुली किस्मत

फिर खुलेगा छात्रवृत्ति पोर्टल

उत्तर प्रदेश सरकार ने छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए पात्र विद्यार्थियों को एक और मौका देने का निर्णय किया है. मंत्रिमंडल की बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान विभिन्न कारणों से लाभ पाने से वंचित रह गए पात्र विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल दोबारा खोलने की मंजूरी दी गई है. इसे विशेष मामला मानते हुए सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट से 551 करोड़ 85 लाख रुपये खर्च करने की अनुमति दी है.

इस फैसले का लाभ समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से जुड़े विभिन्न पात्र वर्गों के 2,76,057 विद्यार्थियों को मिलेगा. सरकार का यह कदम उन

विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो पात्र होने के बावजूद किसी कारण से छात्रवृत्ति या शुल्क प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए थे अथवा निर्धारित चरण में उनका लाभ जारी नहीं हो सका. इस फैसले का असर कानपुर के उन हजारों विद्यार्थियों पर भी पड़ सकता है, जो लंबे समय से छात्रवृत्ति का इंतजार कर रहे हैं. जिले में प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक वर्ग के करीब 10 हजार से अधिक विद्यार्थी ऐसे बताए जा रहे हैं, जिन्होंने आवेदन से लेकर आय प्रमाण पत्र और समाज कल्याण कार्यालय में दस्तावेजों की जांच तक जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं, लेकिन उनके खातों में अभी तक छात्रवृत्ति की राशि नहीं पहुंची है.